केशवसृष्टि

केशवसृष्टि समाचार

Postal Registration No. THW/06/2017-2019 Posted at Partika Channel Sorting Office, Mumbai GPO 400001. Published on 5th of every month & Posting on 7th and 8th of every month. RNI no. 72232/99

वर्ष १९ । अंक ७ । भायंदर । जुलाई २०१९ । विक्रम संवत २०७५ । पृष्ठ २० । मूल्य रु. १०/- वार्षिक रु.१००/-

केशवसृष्टि कृषी तंत्र निकेतन

प्रथम, द्वितीय और तृतीय वर्ष के परिणाम

कु.आरती जाधव

कु. समीर महाले

कु. अशोक भगत

कु. आदर्श धनविजय

कु. ममता पारधी

कु. अस्मिता वाघ

कु. उषा गोंड

हार्दिक अभिनंदन !

कु. प्रसाद आव्हाड

कु. मोनिका हाडळ

हार्दिक अभिनंदन !

वृक्षारोपण उत्सव, २०१९ - ३० जून, २०१९

संपादकीय

गत मई व जून मास का पहला पखवारा, क्या मिज़ाज था मौसम का! लोग गर्मी से बेहाल, कितने लू लगने से और कितने मौसमी मार से परलोक सिधार गये। पारा अर्ध शतक को छू गया। इधर यह हाल और मौसम विभाग ने भविष्यवाणी की कि बारिश देरी से आयेगी। सर्वसाधारण जनता हो या राजनेता, किसान आदि सभी परेशान । पूजा पाठ यज्ञ हवन आदि प्रारंभ हो गये मेघों के आवाहन हेतु। इधर त्राहि त्राहि मची हुई थी और ऊपर आकाश में सूर्यदेव मुस्करा रहे थे मानो कह रहे हों , ''मुझे दोष दे रहे हो? मैंने क्या किया? मैं कहाँ बदला हूँ? प्रकृति से तुम लोगों ने खिलवाड़ किया, अब भुक्तो अपने कर्मों को। अपनी सुख सुविधा के लिए पेड़ों को जड़ों से उखाड़ देते हो, सौ वर्षों से अधिक पुराने बुज़ुर्ग पेड़ों को भी नहीं छोड़ा, उनकी हत्या कर दी। ए.सी. कमरों में बैठना है, सोना है तो फिर भुक्तो। चलिए, इस बार मौसम विभाग की भविष्यवाणी सत्य सिद्ध हुई । बारिश आयी देरी से परन्तु पूजा पाठ अथवा यज्ञ हवन का प्रभाव था या और कुछ बारिश आयी तो ऐसे बरसी कि लोग फिर त्राहि त्राहि करने लगे। बारिश ने शासन, प्रशासन में बैठे नेताओं, अधिकारियों और ठेकेदारों के भ्रष्टाचार की पोल खोल दी। ७० साल से ऊपर हो गये भारत को आज़ाद हुए। मुम्बई में बाबा आदम के ज़माने की अर्थात् अंग्रेज़ों द्वारा बनायी हुई ड्रेनेज सिस्टम से काम चलाया जा रहा है और दोष दिया जा रह है बारिश को कि वर्ष २००५ जैसी बारिश हुई है। वैसे यह प्रत्येक वर्ष में हुई पहली बारिश की कहानी है।

गत मास मा. प्रधानमंत्रीजी ने लोकसभा में भाषण देते हुए कहा था कि कोई भी अपराधी बचेगा नहीं, परन्तु दंड देना न्यायालय का काम है, सरकार का नहीं । परन्तु प्रधानमंत्रीजी ज़रा बतायें तो कि अपराधियों को न्यायालय तक पहुँचाना तो सरकार का काम है न। गत पाँच वर्षों में आरोपी नेताओं के लिए विशेष न्यायालय और विशेष क़ानून बनाये क्या? न्यायप्रक्रिया में क्यों नहीं बदलाव किये जिससे ऐसे नेता शीघ्रातिशीघ्र योग्य सज़ा पायें? ऐसे नेता वर्षों तक ज़मानत पर रहते हुए व्यवस्थित अपना जीवन गुज़ार रहे हैं, ऐसे दण्ड का क्या लाभ? महाराष्ट्र सरकार की वर्तमान सरकार ने पूर्व सरकार के समय भ्रष्टाचार में लिप्त नेताओं के विरुद्ध कौन सी कार्रवाई की? कितने आश्चर्य की बात है कि जघन्य अपराधों के आरोपी संसद और विधान सभाओं में बैठकर जनता के लिए कानून बनाने में हिस्सा लेते हैं।

इस मास दो पर्व आ रहे हैं - आषाढ़ी एकादशी और गुरु पूर्णिमा । इस एकादशी से संन्यासियों का चातुर्मास प्रारंभ होता है। महाराष्ट्र में पंढरपुर यात्रा की समाप्ति होती है। वारकरी (यात्री) भक्त 'जय हरि विठ्ठल' करते हुए अपने आराध्य विठोबा से मिलने पंढरपुर पहुँचते हैं। इस वर्ष दो विशेष कार्यक्रम हुए। एक यात्रा के चलते, दिनांक ३० जून को मुंबई की प्राणिक हीलिंग संस्था के ४५ स्वयंसेवकों ने जेजुरी (पुणे) में ५०० वारकारियों का प्राणिक ऊर्जा द्वारा उपचार किया। दूसरा, मुंबई में लोगों को कार्यालयों में भोजन पहुँचाने वाले डब्बेवालों ने वारकरियों को अल्पाहार कराया और दिनांक १२ को यानी एकादशी के दिन हज़ारों डब्बेवाले पंढरपुर पहुँचकर चंद्रभागा नदी को स्वच्छ करने का अभियान करेंगे और स्वच्छता का संदेश देंगे। गुरु पूर्णिमा शिष्यों द्वारा गुरु के प्रति अपनी श्रद्धा जताने का पर्व है।

०००

बोध-वाक्य

समानो मंत्रः समितिः समानी
समानं व्रतं सहचित्तमेषाम् ।
समानेन वो हविषा जुहोमि
समानं चेतो अभिसंविशध्वम् ।।

(अथर्ववेद६.६४.२)

हे बंधुओं! हमारे विचार समान हों।
हमारी सभा सबके लिए समान हो।
हम सबका संकल्प एक समान हो।
हम सबका चित्त एक समान भाव से भरा हो।
एक विचार होकर अपने कार्य में एक मन से लगे ।
इसीलिए हम सबको समान मौलिक शक्ति मिली है।

केशवसृष्टि समाचार

जुलाई २०१९ मासिक
वर्ष २० | मूल्य रु. १०/-
अंक ७ | *वार्षिक* रु. १००/-

संपादक मंडल :

सुदर्शन शर्मा
(मुख्य संपादक)

व्यासकुमार रावल
विजय इंगळे

कार्यालय :

केशवसृष्टि, उत्तन,
भायन्दर, जि. ठाणे

दूरभाष :
२८४५०२४७, २८४५२८५५

मुद्रक एवं प्रकाशक
सुरेश भगेरिया
केशवसृष्टि के लिए

युनिटी आर्ट ऑफसेट :

३०२, वडाला उद्योग भवन,
वडाला, मुंबई - ४०० ०३१.
से मुद्रित और केशवसृष्टि,
उत्तन,भायन्दर, जि. ठाणे
से प्रकाशित हुई है।

CMYK

योग दिवस मनाया गया

उत्तन वनौषधी संशोधन संस्था और केशवसृष्टि कार्यालय के संयुक्त विधान से दिनांक २१ जून २०१९ को केशवसृष्टि में पांचवा आंतरराष्ट्रीय योग दिवस बड़े ही उत्साहपूर्ण वातावरण में मनाया गया। दीपप्रज्वलन से कार्यक्रम की शुरूआत कि गयी।

वनौषधी, केशवसृष्टि के सभी कर्मचारी और सायनोफार्म अनुसंधान केंद्र के Interns ने श्रीमती दीपाली ठेंगोडकर के मार्गदर्शन में सूर्यनमस्कार के साथ अलग अलग आसन और श्वसन के व्यायाम किए।

उपस्थित सभी को श्रीमती दीपाली ठेंगोडकर ने योग और व्यायाम के महत्त्व के बारे में जानकारी दी।

केशवसृष्टि कृषी तंत्र निकेतन
प्रथम, द्वितीय और तृतीय वर्ष के परिणामों की घोषणा

डॉ. बालासाहेब सावंत कोंकण कृषी विश्वविद्यालय द्वारा गत फरवरी मार्च महीने में ली गयी परिक्षा के परिणाम घोषित किये गयें ।

प्रथम वर्ष कृषी तंत्र निकेतन में कु. आरती वसंत जाधव ने ८३.५८ अंक ले कर प्रथम स्थान प्राप्त किया, द्वितीय स्थान पर कु. आदर्श देवानंद धनविजय ने ७२.७४ अंक लिये और कु. उषा सदाशिव गोंड ने ७०.७४ अंक प्राप्त कर तृतीय क्रमांक हासिल किया प्रथम वर्ष में सभी विद्यार्थियों को अच्छे अंक प्राप्त हुए हैं।

द्वितीय वर्ष में कु. समीर रघुनाथ महाले ने ७९.५७ अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान लिया हैं द्वितीय स्थान पर कु. ममता शंकर पारधी ने ७७.८३ अंक प्राप्त किये हैं तृतीय स्थान पर कु. प्रसाद सोमनाथ आव्हाड ने ७५.८६ अंक प्राप्त किये हैं । द्वितीय वर्ष में सभी विद्यार्थीयों को अच्छे अंक प्राप्त हुए हैं ।

कृषी तंत्रज्ञान पदविका की अंतिम परीक्षा में कु. अशोक चांगो भगत ने ७५.०७ अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान लिया हैं, द्वितीय स्थान पर कु. अस्मिता मधुकर वाघ ने ७२.२१ अंक प्राप्त किये हैं तृतीय स्थान पर कु. मोनिका दशरथ हाडल ने ७१.३६ अंक प्राप्त किये हैं ।

उनकी इस कामयाबी के लिए संस्था के सभी सदस्यों और शिक्षक गण ने अभिनंदन किया हैं।

केशवसृष्टि कृषी तंत्र निकेतन सन २०१८ - २०१९ का परिणाम ।

डॉ. बालासाहेब सावंत कोकण विश्वविद्यालय द्वारा केशवसृष्टी कृषि तंत्र निकेतन में फरवरी - मार्च में अंतिम लेखी परीक्षा ली गयी थी। उसके परिणाम ४ जुन २०१९ को घोषित किये गये। प्रथम वर्ष के ९८.०० प्रतिशत, द्वितीय वर्ष के ९७.६७ प्रतिशत तथा तृतीय वर्ष के ५६.४१ प्रतिशत परिणाम घोषित हुए है। कृषि तंत्र निकेतन का सन २०१८-२०१९ शैक्षणिक वर्ष का परिणाम ८५.६१ प्रतिशत है।

सायनोफार्म केन्द्र की टीम का नागपुर दौरा

१ मार्च २०१९ को सायनोफार्म रिसर्च सेंटर टीमने आर एस एस मुख्यालय महल और रेशम बाग, नागपुर का दौरा किया । वहां वे शंकर तत्ववादीजी, प्रभाकरराव अम्बुलकरजी और मा.सरसंघचालक मोहन भागवत जी से मिले। शंकर तत्ववादीजी केमिस्ट्री क्षेत्र में बी ए यूनिवर्सिटी से पीएचडी करने के बाद वहाँ प्राध्यापक का काम कर रहे थे। १९८५ से शंकर तत्ववादीजी को विदेश में ग्रीष्म कालीन शिबिर के लिए भेजा गया। काम के दायरे में वृद्धि के कारण उन्होंने १९८९ में स्वेच्छा सेवा निवृत्ति ले ली और सभी संघपरिवार की संस्थाओं के लिए विश्व विभाग संयोजक के रूप में पूर्ण कालीन कार्य करना शुरू किया। वे अपने इस कार्य के लिए ५५ से अधिक देशों का दौरा कर चुके हैं। इन २२ साल के दौरान इंग्लैंड का लस्टर शहर शंकरजी का मुख्य वास्तव्य स्थान था। प्राचीन भारतीय वैज्ञानिकों के विज्ञान में हुए महत्वपूर्ण योगदान के बारे में उन्होंने बताया। वर्ष २०१७ में विज्ञान भारतीने जो प्रदर्शनी आयोजित की थी, उसके बारे में तत्ववादीजीने सायनोफार्म टीम को विस्तृत जानकारी दी। टीमने भी शंकरजी को सायनोफार्म रिसर्च सेंटर को भेंट देकर, मार्गदर्शन करने का आग्रह किया। आमंत्रित करने पर उन्होंने भेट देने का आश्वासन दिया। प्रभाकरराव उड़ीसा में पांच साल प्रचारक के रूप मे कार्यरत थे। कुछ साल विद्यालय में काम करने के बाद स्वेच्छा निवृत्ति लेकर प्रभाकरराव पूर्ण काल के लिए विदर्भ प्रान्त का संघ का कार्य भार सँभालने लगे। डॉ. डंबोलेजीने, प्रभाकरराव अम्बुलकर जी की प्रेरणा से गढ़चिरोली जिल्हा के नक्षल प्रभावित आदिवासी क्षेत्र में

With Best Complients From :

Siddhartha Super Spining Mills Ltd.

Head Office :

A - 104, Gokul Arcade, Sahar Road, Vile Parle (E), Mumbai - 4000 057.
Ph : 022 - 66937161 / 62 Fax : 66936851
E-Mail : nagani@vsnl.com, Shreenagani@gmail.com

Regd. Office Cum Works:

Village : NIHLA KHERA - NALAGARH - 174 101, DIST. : SOLAN (H.P.)
Phone : 223012, 223014 • Fax : 01795-220 441 • Gram : Superspin
Email : siddharthasuper@gmail.com, sssmltd@sancharnet.in

डॉ हेडगेवार जन्मशताब्दी सेवा समिति के अंतर्गत कार्य करना शुरू किया। कई बाधाएं और विरोध के बावजूद भी वे अपना कार्य बहुत समर्पण भावना के साथ गए बीस साल से कर रहे हैं। डॉ डंबोले जी को साइनोफार्म टीम, स्टडी टूर के दरम्यान मिली थी। उनका काम और धैर्य देखकर सभी दंग रह गए थे। डॉ डंबोलेजी के प्रेरणास्रोत्र को मिलाने के लिए टीम लालाइत थी। प्रभाकरराव ने टीम को संघ, उसकी कार्यपद्धति और डॉ डंबोले जीके बारे में विस्तार से बताया। टीमने उनके सामने वर्तमान परिस्थिति के बारे में कई सवाल किये और मन की अनेक शंकाएं उपस्थित की, उनका प्रभाकर राव ने बड़ी सरलता से निराकरण किया। सरसंघचालक माननीय मोहनजी भागवत से मुलाकात होने पर डॉ ऋत्विक तथा दीपाली ठेंगोड़करने उन्हें केशव सृष्टि में स्थापित किये गए सायनोफार्म रिसर्च सेंटर (UVSS) के उद्देश्य तथा गतिविधियों के बारे में अवगत कराया। उनकी सूचनाओं को सुनके हमें संघ की निचे से ऊपर (बॉटम टु टॉप) कार्यप्रणालीका अनुभव हुआ। मा. मोहन भागवत जी ने जयंत सहस्त्रबुद्धेजी से मिलने और विज्ञान भारती से जुड़ने की भी सलाह दी। मा. मोहन भागवत जी से वार्तालाप करके हमें प्रखर सकारात्मक भावना और ऊर्जा का आभास हुआ। उनकी सूचना ओं का पालन करते हुए डॉ ऋत्विक ने जयंत जी से मिलके विज्ञानं भारती के मुंबई कोंकण प्रान्त में विज्ञान प्रसार का काम हाथ में लिया है। सायनोफार्म के शिक्षण के आयाम के अंतर्गत विज्ञान भारती का विज्ञान प्रसार का कार्य अधिक गति से किया जा सकता है।

इन सब से मिलने के बाद पूरी टीम रेशम बाग पर समाधी के दर्शन के लिए गयी। वहां प.पू.डॉ. हेडगेवार जी की प्रतिमा काले पत्थर से बनी है, जिसे जयपुर से खरीदा गया था। श्रीगुरुजी का स्मारक पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी द्वारा उद्घाटित किया गया है। स्मृति मंदिर एक सुंदर स्मारक के रूप में खड़ा है और एक महान वास्तु शिल्प का नमूना है। यह में श्री नाना साहेब गोरेगांवकर जी ने बनाई है। मंदिर के ऊपर तथा शिखर पर श्रीफल की आकर्षक रचना है जो कमल पुष्प में रखा हैं। पू. डॉक्टरजी की समाधी पर ८ पंखुड़ियों में कमल पुष्प ॐ चिन्हअंकित है। मंदिर की कमान तीन धनुष्योंको मिलाकर, प्रत्येक धनुष्य के सम्मुख शेष नाग की आकृतियाँ हैं। रेशिम बागमें पू. डॉक्टरजी के समाधी के सम्मुख पू. श्री. गुरुजी के पार्थिव पर जहाँ अग्निसंस्कार किया गया। वंहाँ यज्ञवेदी स्वरूप स्मृति चिन्ह है। यह स्थान विश्वहिंदू परिषद मुख्यालय के रूप में है और इसमें आवासीय सुविधाएं हैं। यहाँ महर्षि व्यास सभागृह है जहा २००० लोगों के बैठने की सुविधा है और तीसरे मंज़िल पर भोजन कक्ष हैं। इस परिसर में होने वाले एकत्रित कार्यक्रम महर्षि व्यास सभागृह में होते है। यहाँ सभी प्रकार के कार्यक्रम की सुविधा है जैसे की अभ्यासवर्ग, प्रवचन तथा क्रीड़ा क्षेत्र। सबसे प्रभावी चित्र हमें नयी इमारत में मिला जिसमें उस इमारत को खड़ा करने में लगे सभी कामगारों का ग्रुप फोटो बड़े फ्रेम में लगाया गया था। इमारत के उद्घाटन के समय इन सभी कामगारों का वैयक्तिक सन्मान भी किया गया। मानवीयता की यह मिसाल देख के टीम विस्मित हो गयी। केशव सृष्टि में भी इस कल्पना को हमने विचार में लेना चाहिए, ऐसी सहज भावना टीम के मन में आयी।

०००

स्वा. सावरकर स्मृति आंतर-महाविद्यालयीन वादविवाद स्पर्धा – २०१९

मुंबई दि. ३ जुलै २०१९ः रामभाऊ म्हाळगी प्रबोधिनीने, मुंबईतील सावरकर दर्शन प्रतिष्ठान या संस्थेच्या सहयोगाने महाविद्यालयीन विद्यार्थ्यांसाठी मागील १३ वर्षाप्रमाणे, यंदा ही रविवार, दि. १८ ऑगस्ट २०१९ रोजी ‘स्वा.सावरकर स्मृती आंतर- महाविद्यालयीन वादविवाद स्पर्धा’पुणे येथे आयोजित करण्यात आली आहे. या स्पर्धेसाठी ‘एक देश एक निवडणूक ही भारताच्या राजकीय व्यवस्थेतील क्रांतीकारी सुधारणा ठरेल’ हा विषय निश्चित केला आहे. यंदा ही स्पर्धा स्वातंत्र्यवीर सावरकर स्मारक व अध्यासन केंद्र, सौ.विमलाबाई गरवारे प्रशालेसमोर, डेक्कन जिमखाना, कर्वे रस्ता, पुणे येथे होणार आहे. महाराष्ट्रातील सर्व कनिष्ठ व वरिष्ठ महाविद्यालयातील विद्यार्थी या स्पर्धेत सहभागी होऊ शकतील. प्रत्येक महाविद्यालयाने स्पर्धेच्या विषयाच्या बाजूने व विरुद्ध मांडणी करणाऱ्या एकूण दोनविद्यार्थ्यांचा एक संघ पाठविणे अपेक्षित आहे. पदव्युत्तर शिक्षण घेणारे पण २५ वर्षे वयापर्यंतचे विद्यार्थीही यात सहभागी होऊ शकतात. रामभाऊ म्हाळगी प्रबोधिनी ही गेल्या३७ वर्षांपासून प्रबोधन, प्रशिक्षण आणि संशोधन या क्षेत्रात सातत्याने कार्य करणारी एक संस्था आहे. आणि सावरकर दर्शन प्रतिष्ठान ही स्व. सुधीर(बाबूजी) फडके यांनी स्थापन केलेली संस्था असून सावरकरांच्या विचारांचा प्रचार-प्रसार करण हे त्याचं उद्दिष्ट आहे. स्पर्धेतील यशस्वी स्पर्धकांना सांघिक विजेतेपदासाठी स्वा. सावरकर स्मृती चिन्ह आणि महाविद्यालयांसाठी सावरकरांचे निवडक ग्रंथ देण्यात येणार आहेत. व्यक्तिगत विजेत्यांना प्रथम पुरस्कार रु. ५००१/-, द्वितीय पुरस्कार रु. ३५०१/- आणि तृतीय पुरस्कार रु. २५०१/- यांसह आकर्षक पारितोषिके दिली जाणार आहेत. स्पर्धेत सहभागी होण्यासाठी प्राचार्यांच्या सही शिक्यानिशी प्रवेशिका दि. १० ऑगस्ट २०१९ पूर्वी पाठविणे आवश्यक आहे. अधिक माहितीसाठी ः दिलीप नवेले (भ्र. ९९६७४२९४५६), अनिल पांचाळ (भ्र. ९९७५४१५९२२) दू.क्र. ०२२-२८४५०१०१, ०२, ०३ यांच्याशी संपर्क साधावा, असे आवाहन रामभाऊ म्हाळगी प्रबोधिनीच्या वतीने करण्यात आले आहे.

केशवसृष्टि – ग्रामविकास योजना

मासिकरिपोर्ट जून, २०१९

वन मंत्री, महाराष्ट्र शासन, श्रीसुधीर मुनगंटीवार के साथ चर्चा ७ जून, २०१९

राज्य सरकार के वन मंत्री, श्रीसुधीर मुनगंटीवारजी, उनके प्रमुख सचिव तथा अन्य वनअधिकारी और ग्रामविकास का काम करने वाली गैर-सरकारी संस्थाओं के प्रतिनिधीयों के बीच एक संयुक्त बैठक, सह्याद्री अतिथिगृह, मलबारहिल में संपन्न हुई । ग्रामविकास योजना की तरफ से श्री संतोष गायकवाड बैठक मे उपस्थित रहे। उन्होंने ३० जून, २०१९ को होने वाले वृक्षारोपण कार्यक्रम की जानकारी दी । श्री मुनगंटीवारजी ने ग्रामविकास योजना के काम की सराहना की और शुभ कामनाए दी।

संयुक्त बैठक के दौरान
श्री संतोष गायकवाड मंत्री जी के साथ

केशवसृष्टि ग्रामविकास योजना वार्षिक रिपोर्ट प्रकाशन समारोह १५ जून २०१९

केशवसृष्टि ग्रामविकास योजना के वार्षिक रिपोर्ट का प्रकाशन समारोह शनिवार दिनांक १५ जून २०१९ को प्रभादेवी, मुंबई स्थित बेउ मोंड टॉवर्स के सभागृह में हुआ। रिपोर्ट का प्रकाशन केशव सृष्टि की पूर्व अध्यक्षा श्रीमती अलकाताई मांडके, अजंता फार्मा के श्री पुरुषोत्तम अग्रवाल

और जेटकिंग के श्री सुरेश भारवानी के हाथों हुआ। मुंबई के कई महानुभावों ने इस कार्यक्रम में उपस्थित होकर कार्यक्रम की शोभा बढाई। श्री पुरुषोत्तम अग्रवाल, स्वामी श्री विज्ञानानंद, श्री रतन शारदा तथा अन्य मान्यवरोंने अपने विचार रखे।

कार्यक्रम की शुरूवात ग्राम विकास योजना के प्रेज़ेंटेशन के साथ हुई। ग्राम विकास योजना के सभी कार्यकर्ताओंने मिलकर प्रभावी प्रेझेंटेशन दिया जिसमें सभी आयामों पर चल रहे काम का संक्षिप्त ब्यौरा बताया गया। आयाम प्रमुखों ने सभी आयामों पर हुए कामों के बारे में बताया। शिवाली कालेने कार्यक्रम का सूत्र संचालन किया । अंत में, ग्राम विकास के काम के पीछे की भावना एक गीत द्वारा प्रस्तुत की गई।

निर्मल पावन भावनाः.. सभी के सुख की कामना
गौरवमय समरस जनजीवन यही राष्ट्र आराधना

इसी कार्यक्रम में ग्रामविकास योजना में पेहली बार श्री नानाजी देशमुख युवा पुरस्कार प्रदान किया गया। जिस युवा ने सालभर में सबसे ज्यादा गांवों के लोगों के जीवन में बदलाव लाया है उस शहरी युवा को यह पुरस्कार दिया जाएगा। यह पहला पुरस्कार, टेटवाली बांबू हस्त कला केंद्र को प्रारंभ करने वाले श्री गौरव जी श्री वास्तव को दिया गया। आपने टेटवाली की २६ महिलाओं को प्रेरणा देते हुए इस बांबू हस्तकला केंद्र को स्थापित कर सफल करके दिखाया है। श्री अशोक जी गोयल के हाथों यह पुरस्कार प्रदान किया गया।

स्कूल किट वितरण १९ से २२ जून २०१९

हर साल की तरह इस साल भी ग्राम विकास योजनाने वाडा, विक्रमगड, तथा जव्हार तहसील के जिला परिषद पाठशालाओं में विद्यार्थियों के लिए स्कूल किट का वितरण किया। इस स्कूल किट में शोल्डर बैग, नोटबुक, कंपास बॉक्स, पेन, पेन्सिल, क्रेयॉन, ड्रॉईंग बुक इत्यादी साहित्य का समावेश है।

जिला परिषद पाठशालाओं में इस किट का वितरण दिनांक १९ जुलै से २३ जुलै तक किया गया। हर स्कूल में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उद्योग जगत के कई मान्यवर, ग्राम विकास योजना के अधिकारी तथा स्कूल प्रशासन इस कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

कुल मिलाकर ५० से उपर पाठशालाओं में ३००० बच्चों को इस किट का वितरण किया गया। इसके माध्यम से होनहार बच्चों को साधन उपलब्ध कराना ग्राम विकास योजना का उद्देश है। लगातार तीन सालों से इस योजना का लाभ कई बच्चोंने लिया है जिसके फलस्वरूप उन बच्चों की पढाई में साधन न होने के कारन रुकावट नहीं आयी है।

माधव संस्कार केंद्र के शिक्षकों का प्रशिक्षण २२ जून, २०१९

सौ. शिवाली काले और श्री कैलास कुरकुटे ने मिलकर ४५ माधव संस्कार केंद्रों के शिक्षकों का प्रशिक्षण वर्ग स्वामी स्कूल के नूरबाग हॉल में लिया। श्री कैलास ने सत्र १ में गीत और प्रार्थना से शुरू कर शिथिलीकरण, सूर्यनमस्कार, प्राणायाम, रामदास स्वामी के श्लोक, आज्ञा अभ्यास तथा गीत और कथा कथन पद्धति का प्रशिक्षण दिया। सौ. शिवाली ने नियमावली के बारे में बताया और संस्कार वर्ग के प्रशासन के बारे में जानकारी दी। साथ ही बँक में अकाऊंट खोलने की जानकारी दी। सभी शिक्षकों ने वर्ग के बारे में सकारत्मक प्रतिक्रिया दी।

वृक्षारोपण उत्सव, २०१९ ३० जून, २०१९

हर साल की तरह इस साल भी वृक्षारोपण का महा उत्सव रविवार दिनांक ३० जून २०१९ को संपन्न हुआ। ग्राम विकास योजना के अंतर्गत आनेवाले सभी ४२ गावों में इस उत्सव को मनाया गया। सभी गांवों में मिलकर ३३००० पेड लगाए गए जिस में बांबू, सीताफल, पेरू, शेवगा, निंबू, पपया, मोसंबी, तथा आमलाशा मिल है। सभी किसानों ने ग्रामविकास योजना की कृषी टीम के साथ मिलकर इस उत्सव की जम कर तैयारी की। जहाँ गाड़ी नहीं जा सकती वहाँ किसानों ने बैलगाड़ी से और माथे पर उठाकर गांव में पौधे पहुँचाए। मुंबई से १३०० के ऊपर लोग सहभागी हुए। सभी किसानों के परिवारों ने मुंबई से आये लोगों का भव्य स्वागत किया, वृक्ष दिंडी, वृक्षारोपण का प्रात्यक्षिक, पौधों की पूजा कर पौधों का रोपण किया गया। सभी अभ्यागतों ने किसानों के घर जाकर स्वादिष्ट भोजन का आस्वाद लिया। उत्साह से भरे इस उत्सव का सभी लोगों ने खूब आनंद लिया। सरकार की करोड़ो पेड़ लगाने की योजना में ग्राम विकास योजना का एक छोटासा सहभाग।

धन्यवाद!

छात्र संगठन शपथ ग्रहण समारोह

हौसला अपना बुलंद कर लो,
साहस व हिम्मत को संग कर लो।
निर्भय होकर आत्मविश्वास से बढ़ो,
संयम व धैर्य से सफलता की सीढ़ी चढ़ो।

उपरोक्त पंक्ति का अनुसरण करते हुए राम रत्ना अन्तर्राष्ट्रीय विद्यालय ने विश्व को, नेतृत्व गुणों से युक्त छात्र अर्पण करवाने के उददेश्य हेतु शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन दिनांक २५ अप्रैल, २०१९ के दिन किया गया।

इस प्रतिभा सम्पन्न समारोह का प्रारम्भ मुख्य अतिथि स्वरूप आमंत्रित एस.एम. शेट्टी अन्तर्राष्ट्रीय विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती मिल्ड्रेड लोबो तथा वरिष्ठ अतिथि स्काउट एवं गाइड परामर्शदाता प्रशिक्षक श्री संतोष कांबली के आगमन से हुआ। हमारे विद्यालय के प्रधानाचार्या की उपस्थिति में इस अवसर को मंगलमय बनाने के लिए ज्योति प्रज्वलित कर देवी सरस्वती की वंदना की गयी।

विद्यालय की प्रधानाचार्या डॉ. जया पारेख ने पवित्र तुलसी के पौधे व रंग-बिरंगे पुष्पों से युक्त पुष्पगुच्छ तथा शाल की भेंट द्वारा मुख्य अतिथि तथा वरिष्ठ अतिथि का हार्दिक अभिनंदन किया। विद्यालय के प्राथमिक स्तर के समन्वयक श्रीमान ग्रेगरी द्वारा मुख्य अतिथि का परिचय दिया गया।

इस वर्ष शपथ समारोह में विद्यालय के छात्रों ने महत्वपूर्ण चरण में प्रतिज्ञा कर अपने अपने नेतृत्व का निर्वहन किया। पहले चरण में स्काउट और गाइड के छात्र तथा दूसरे चरण में छात्र प्रमुखों ने शपथ ग्रहण किया। इसके साथ ही विद्यालय के गत वर्ष के प्रमुख छात्रों ने अपनी पूर्ण कर्तव्यनिष्ठा से अपने उत्तरदायित्व को पूर्ण किया जिसके कारण इस वर्ष भी उन सभी प्रतिभाशाली छात्रों को इस वर्ष के छात्र प्रमुखों को मार्गदर्शन देने हेतु उन्हें बैच लगाकर सम्मानित किया गया।

सर्वप्रथम स्काउट मास्टर मृत्युंजय सर तथा स्काउट गाइड मोनिका पारीख ने माननीय प्राचार्या जी तथा उपप्राचार्या जी को औपचारिक रूप से स्काफ पहनाकर स्काउट और गाइड के सदस्य के रूप में सम्मानित किया। वरिष्ठ अतिथि श्री संतोष कांबली, प्राचार्या तथा उपप्राचार्या जी ने स्काउट एवं गाइड के सभी छात्रों को स्काफ पहनाकर उन्हें सम्मानित किया। इसके उपरांत स्काउट मास्टर मृत्युंजय सर द्वारा छात्रों ने समवेत स्वर में शपथ ग्रहण किया।

निर्वाचित सदस्यों की प्राचार्या ,मुख्य अतिथि जी , तथा राम रत्ना विद्या मंदिर की प्राचार्या श्रीमती कविता सिंह जी ने मुख्य छात्र एवं मुख्य छात्रा को उनके पद चिन्हों से सम्मानित किया। सभी सदनों के मुख्य छात्रों को उनके सदनों की शिक्षिकाओं द्वारा पद चिन्ह को अर्पित कर उन्हें सम्मानित किया। इसके तदोपरान्त प्राचार्या जी ने शपथ ग्रहण करवाया।

निर्वाचित सदस्यों के नियुक्ति की प्रक्रिया के अंतर्गत विद्यालय में हुए क्रिया-कलापों को एक अति संक्षिप्त पी.पी.टी. के माध्यम से प्रस्तुत किया गया। मुख्य-छात्र तन्मय चौधरी व मुख्य-छात्रा तनिषा खंडेलवाल ने भाषण की शुरुआत में पूर्व मुख्य छात्र और छात्रा के कार्यों की सराहना करते हुए यह विश्वास दिलाया। वे उनके द्वारा बनाये गए सभी नियमों तथा लक्ष्यों को पूरी निष्ठा और लगन से आगे बढ़ाएंगे। पी.पी.टी के माध्यम से

रामरत्ना इंटरनेशनल स्कूल

विद्यालय के अनुशासन , अंग्रेजी भाषा का विकास तथा सभी छात्रों को मंच पर आमंत्रित कर उनके आत्मविश्वास को बढ़ावा देना इसके अलावा इस सत्र से छात्रों ने नए क्रिया कलापों जैसे आई.आर .आई.एस तथा टेड टॉक आदि मुद्दों पर जोर दिया ।

साहित्यिक सचिव तथा उपसचिव अमेया गुप्ता तथा इशिका गुप्ता ने भी भाषण के माध्यम से यह भरोसा दिलाया कि वे विद्यालय के प्रत्येक छात्र से उचित भाषा का उच्चारण ,व्याकरण तथा वाचन पर विशेष कार्यवाही करेंगी। छात्रों में किताब के वाचन को रुचिकर बनाने के लिए वे विद्यालय में प्रसिद्ध लेखकों को आमंत्रित करेंगी।

समारोह के अंत में मनोरंजन के उद्देश्य से माध्यमिक कक्षा के छात्रों द्वारा प्रेरणादायी गीत पर नृत्य का प्रदर्शन कर यह संदेश दिया कि जीवन में कितनी भी परेशानियाँ तथा रूकावटे आए आपको निडर होकर अपने लक्ष्य की ओर बढ़ते रहना है।

विद्यालय की प्रधानाचार्या ने नव नियुक्त छात्रों को बधाई देते हुए चुने गए सभी छात्र प्रमुखों को प्रेरणादायी संदेश देते हुए कहा कि एक प्रतिभाशाली नेता जब अपने कार्यभार को संभालता है तब वह अपने निष्पक्ष कर्तव्यों को पूर्ण करने में एकाग्रता रखता है। श्रीमती मिल्ड्रेड लोबो जी ने भी अपने वक्तव्य के द्वारा अपने विचारों को अभिव्यक्त करते हुए विद्यालय के छात्रों व शिक्षिकाओं के कर्तव्य बोधता की प्रशंसा करते हुए नव नियुक्त छात्रों को बधाई दी।

अंत में श्रेय मोदी तथा आकांक्षा किरण द्वारा धन्यवाद ज्ञापन एवं राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया।

किशन गोपाल राजपुरिया वानप्रस्थाश्रम

केशव सृष्टि परिसर में वसंत स्मृति संचालित किशन गोपाल राजपुरिया वानप्रस्थाश्रम जीवन की संध्या का अनुभव कर रहे वृद्धजनों को प्राकृतिक वातावरण में स्नेहपूर्ण और सुखकर जीवन उपलब्ध करवाने में प्रयासरत समर्पित संस्था है जो जीवदया प्रेमी योगेन्द्र राजपुरिया के मार्गदर्शन में वृद्धजनों को अच्छी सुविधाएं उपलब्ध करवाने निरंतर गतिशील है।

केशव सृष्टि में वर्ष २००३ में इस आश्रम की स्थापना हुई उसके बाद निरंतर यहाँ पर निवासियों को सुविधाओं का दौर चला! कमरे बने जिससे निवासियों को सुविधा हुई! यहाँ रहने वाले वृद्धजनों के लिए प्राकृतिक वातावरण में शुद्ध शाकाहारी भोजन के साथ हर छोटी मोटी बातों का ध्यान रखा जाता है! इस वानप्रस्थाश्रम में निवासियों के लिए सुंदर सभागृह, शिव मंदिर, गौशाला, उद्यान आदि उपलब्ध होने से निवासियों को सुविधा होती है! इसके अतिरिक्त निवासियों के लिए होली, दीवाली, रक्षाबंधन, गणतंत्र दिवस, स्वंतंत्रता दिवस, जन्माष्टमी सहित साल भर विविध उत्सवों का आयोजन भी होता है। इसके अतिरिक्त विविध सामाजिक संस्थाओं के माध्यम से निवासियों के लिए विविध मनोरंजन के कार्यक्रम किये जाते हैं, निवासियों का जन्म दिवस भी मनाया जाता है

इस आश्रम में बीमार निवासियों के उपचार हेतु दवाखाना एम्बुलेंस के अतिरिक्त यहा पर निवास के लिए तरह तरह की व्यवस्था है । महिलाओं व पुरुषों के लिए डोरमेट्री रूम, दो व्यक्तियों के लिए डीलक्स, सुपर डीलक्स आधुनिक सुविधाओं के साथ प्राकृतिक संपदा से निवासियों को लाभ होता है! इस वानप्रस्थाश्रम को निरंतर गति देने योगेंद राजपुरिया तथा दिव्या बेन राजपुरिया निरंतर सक्रिय हैं और निवासियों भी सन्तुष्ट हैं।

केशव सृष्टि

सहयोगी संस्थाएं

- उत्तन कृषि संशोधन संस्था (कृषी विद्यालय)
- उत्तन विविधलक्ष्यी शिक्षण संस्था (RRVM & RRIS)
- उत्तन वनौषधि संशोधन संस्था
- गोसेवा परिषद केशवसृष्टि गोशाला
- किशनगोपाल राजपुरिया वानप्रस्थाश्रम
- रामभाऊ म्हालगी प्रबोधीनी

वार्षिक सर्वसाधारण सभा

रविवार २८ जुलाई २०१९ प्रातः ९ बजे

सभी संस्थाओं द्वारा कार्य की प्रस्तुति

प्रातः १०.०० बजे स्थान : ऑडिटोरियम, रामरत्ना इंटरनॅशनल स्कूल

प्रमुख अतिथि : **मा. श्री. जयंतीभाई भडेसिया** (क्षेत्र संघचालक)

गौमाता की संरचना

हमारा शरीर पंचमहाभूतों से निर्मित है। मानव के अतिरिक्त मानव उपयोगी समस्त जीवों का शरीर भी पंचमहाभूतों से ही निर्मित है । वर्तमान चिकित्सा पद्धतियाँ आज के समय रासायनिक तरीकों से चिकित्सा करती हैं, उन्हें पंचमहाभूत को संतुलित करने का कोई ज्ञान नहीं है । आज के समय मानव निर्मित सारे पंचमहाभूत चाहे वह मिट्टी हो, जल हो, वायु हो, अग्नि हो या आकाश हो सब कुछ दूषित हो चुका है।

हमारे महान ऋषिमुनियों की प्राचीन आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धतियों में पंचमहाभूतों को ध्यान में रखकर चिकित्सा की जाती थी । हमें हमारे वातावरण के अनुरूप आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति का ज्ञान हमारे ऋषिमुनियों से मिला जो मानव की नाड़ी देखकर यह ज्ञात कर लेते थे कि हमारे शरीर का कौन सा पंचभूत असंतुलित है और उसके अनुरूप ही वे चिकित्सा करते थे।

विश्व में यदि कहीं भी चिकित्सा का ज्ञान सर्वप्रथम उद्भव हुआ तो वह हमारा देश आर्यावृत भारत वर्ष ही है । सर्वप्रथम पूरे विश्व को ज्ञान हमारे महान ऋषिमुनियों ने दिया चाहे वह अध्यात्मिक क्षेत्र हो या आयुर्वेदिक का क्षेत्र हो । यदि किसी भी व्यक्ति को ज्ञान ना हो तो वह व्यक्ति उस ज्ञान को जानने का प्रयास करता है लेकिन यहाँ उल्टा हुआ । अनेक विदेशी लुटेरों ने हमारे ज्ञान को लूटा और हमारे अस्तित्व को मिटाने के लिए उसमे आग लगा दी । वर्षों तक हमारे ज्ञानपीठ गुरुकुल तक्षशिला की पुस्तके आग में धधू करके जलती रही , इतना ही नहीं बचे खुचे ज्ञान भी, हमारी संस्कृति को भी नष्ट करने का पूरा प्रयास किया जा रहा है।

अब प्रश्न यह उठता है जिस धरती को हम अपनी माँ मानते हैं उस धरती पर प्रतिदिन लाखों लिटर रासायनिक जहर डाला जा रहा है? ऐसा क्यों? विदेशों से प्रतिवर्ष अरबों टन कचरे को लाकर हमारी धरती को मरुस्थल बनाया जा रहा है । क्या हमारी यही संस्कृति है कि हम अपनी माँ को ज़हर दें?

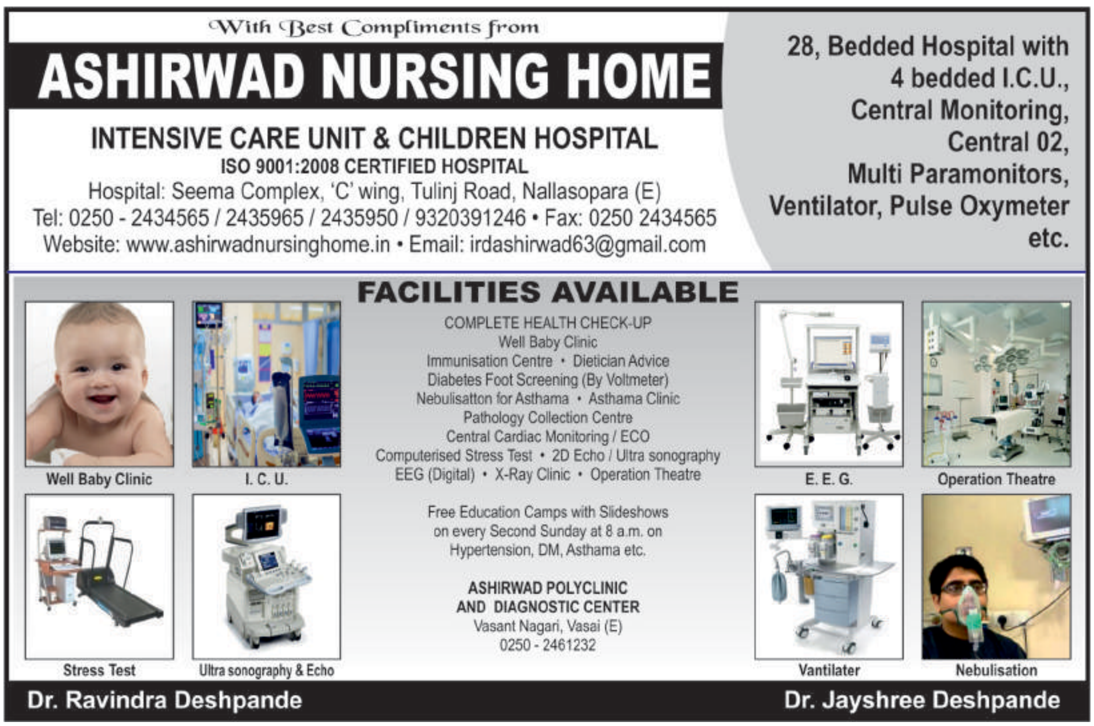

उसे कूड़ाघर बनाकर दूषित कर दें। हमारे देव तत्व जल, अग्नि, वायु और आकाश सब कुछ दूषित हो चुके हैं।

पूरी नदियों में उद्योंगों के कचरे को डालकर गंदे नाले के रूप में परिवर्तित कर दिया गया है । वायु में असंख्य कीटनाशक रसायन , रेडियोऐक्टिव पदार्थ डालकर वायु को दूषित किया जा रहा है । रेडियोऐक्टिव तरंगो द्वारा आकाश तत्व को दूषित किया जा रहा है । हमारे शास्त्रों में लिखा है अनावश्यक रूप से अग्नि का प्रयोग ना करें , लेकिन चाहे हमें बीड़ी -सिगरेट जलाना हो या बड़े-बड़े उद्योग कारखाने चलाने हों, आवश्यकता हो या ना हो हमेशा अग्नि को जलाया जाता है।

इन सब तमाम बातों का हमारे स्वास्थ्य और चिकित्सा से गहरा सम्बन्ध है , हमारी संस्कृति और सभ्यता में जहाँ प्रकृति के संतुलन की बात कही गयी है वहीं आज बिना कारण के भी दुरुपयोग करके पंचमहाभूतों को दूषित किया जा रहा है । आज इस दूषित पंचमहाभूतों को ठीक करना मानव के बस की बात नहीं है फिर कौन करेगा इन्हें सहीः?

यह जिम्मेदारी हमसे अधिक सरकार की है लेकिन सरकार तो अंग्रेजी उपभोगों की आदी है उसको हमारे स्वास्थ्य से कुछ मतलब नहीं ः

यदि हमें स्वस्थ रहना है तो इस ओर हमें ही ध्यान देना होगा । इस सृष्टि में पंचमहाभूतों को शुद्ध करने का एक ही विकल्प है, वह है गौ-माता , लेकिन सरकार ने गौ को भी बचाने का कोई प्रयास नहीं किया है। इसको बचाने का कार्य हमें करना होगा अन्यथा वह दिन दूर नहीं जब मानव का अस्तित्व खतरे में पड़ जायेगा।

मानव को बीमारियों से बचाने के लिए २१% आक्सीजन की जरूरत है। यदि शरीर में आक्सीजन की कमी हो जाती है तो कैंसर होता है। आजकल शहरों में बढ़ते प्रदूषण के कारण १४ -१५ % से अधिक आक्सीजन नहीं मिलता है जिसके कारण शरीर को ना तो पूरा आक्सीजन मिलता है और ना ही शुद्ध रक्त। शरीर की कोशिकाएं तीव्रता से मरती हैं, जिनको पुनर्जीवित करना असंभव है।

गाय की पूरी शारीरिक संरचना विज्ञान पर आधारित है। गाय से उत्सर्जित एक-एक पदार्थ में ब्रह्म ऊर्जा , विष्णु ऊर्जा और शिव ऊर्जा भरी हुई है। गाय को आप कितने ही प्रदूषित वातावरण में रख दीजिये या कितना ही प्रदूषित जल या भोजन करा दीजिये गाय उस ज़हर रूपी प्रदूषण को दूध , दही , गोबर , गौ-मूत्र , या साँस के रूप में कभी बाहर नहीं उत्सर्जित करती है बल्कि गाय उसे अपने शरीर में ही धारण कर लेती है। आपको जो भी देगी विशुद्ध देगी।

गाय का गोबर : गाय के गोबर में २३ % आक्सीजन की मात्रा होती है। गाय के गोबर से बनी भस्म में ४५ % आक्सीजन की मात्रा मिलती है। गाय के गोबर में मिट्टी तत्व है यदि आपको परीक्षण के लिए शुद्ध मिट्टी चाहिए तो गाय के गोबर से शुद्ध मिट्टी तत्व आपको कहीं नहीं मिलेगा। आक्सीजन भी भरपूर है यानी गोबर से ही वायु तत्व की पूर्ति हो रही है।

यह ध्यान रखें कि गाय के गोबर की भस्म बनाने का एक तरीका है , तभी आपको परिष्कृत शुद्ध आक्सीजन तथा पूर्ण तत्व मिल पायेगा । गाय के गोबर की भस्म मकर संक्रांति के बाद बनायी जाती है।

गाय का दूध :- गाय के दूध में अग्नि तत्व है। तथा इस दूध के भीतर ८५ % जल तत्व है।

गाय के दूध की दही : गाय के दूध की दही में ६०% जल तत्व है । ऐसी दही की छाछ गाय के दूध से ४०० गुना ज्यादा लाभकारी है । इसलिए गाय के छाछ को अमृत कहा जाता है । इसमें इतने अधिक पोषक तत्व होते हैं कि आप सोच भी नहीं सकते।

छाछ बनाने की अलग-अलग विधियाँ है। छाछ को किस जलवायु में कितनी मात्रा में पानी मिलाकर बनाना है इसका अलग-अलग तरीका है। तभी यह पूरा लाभ प्रदान करती है।

गाय का मक्खन : गाय के मक्खन में ४०% जल तत्व है। मक्खन अद्भुत है इसके अन्दर भरपूर ब्रह्म ऊर्जा होती है। ब्रह्म ऊर्जा के बिना मानव के अन्दर सत्वगुण नहीं आते हैं । बिना सत्वगुण के सवेदनशीलता शून्य हो जाती है। मान लीजिए किसी ने गुंडागर्दी से आपके गाल पर थप्पड मार दिया तो आपके अन्दर यदि संवेदनशीलता नहीं है तो आप बर्दास्त कर लेंगे अन्यथा आप उस थप्पड़ का जरूर जवाब देंगे।

आज बाजार में बटर आयल चल रहा है । यानी दूध से निकाली गयी क्रीम का आयल जो आपके भीतर संवेदनशीलता ख़त्म कर रहा है। भगवान् श्री कृष्ण ने मक्खन के कारण ही इतनी आसुरी शक्तियों का नाश किया।

(गौ-वैज्ञानिक निरंजन)

रेक्स कर्मवीर वैश्विक शिक्षा परिवर्तन चैम्पियन पथप्रदर्शक विद्यालय पुरस्कार २०१९

तुम कर्मवीर हो धर्मवीर,
ज्ञान वेग के मगधीर रथी हो ।
जीत सको तुम जीत रथी को,
जीतो तुम निज स्वप्न पथी को ।।

उक्त उल्लिखित कविता की भाव को प्रदर्शित करता हुआरेक्स कर्मवीर वैश्विकभाईचारा का पूरा विचार ऐसे लोगों को पहचानना है, जो अलग-अलग सोच के लिए दृढ़ विश्वास रखते हैं और रास्ते को कम करने की कोशिश करते है तथानवीन विचारों पर कार्य करते हैं जो हमारी दुनिया में एक बदलाव ला सकते हैं। वे यह भी मानते हैं कि प्रत्येक मनुष्य में एक नायक, एक नेता, एक स्वयंसेवक, और उसके अंतःकरण में एक शिक्षक के गुण विद्यमान रहते हैं परन्तु केवल कुछ लोग ही इस शक्ति को स्वीकार करते हैं और उसे जागृत करते हैं, ताकि परिवर्तन को प्रेरित करने में मदद मिल सके।

रेक्स उन लोगों में शामिल है जो नवाचार और विज्ञानेतर में अंतर कर रहे हैं। इसमें विभिन्न कार्यकर्ता, छात्र, गैर सरकारी संगठनों के प्रमुख और कई अन्य विषयों और क्षेत्रों के लोग भी शामिल हैं। यह फैलोशिप का आधार है । रेक्स के संस्थापक जेरोनिओ अल्मेडाद्वारा इस विचार पर आधारित है कि सभी लोग एक नायक, एक नेता, एक स्वयंसेवक, एक शिक्षक और बदलाव के चैंपियन हैं। बस हमें इसे स्वीकार करने और समझने की जरूरत है और फिर दूसरों को भी इसे समझने में

मदद करनी चाहिए। वह सब कुछ एक नायक, एक नेता, एक स्वयंसेवक, एक शिक्षक और बदलाव का चैंपियन बनने के लिए लेता है।

उसी तरह से राम रत्ना अंतर्राष्ट्रीय विद्यालय की दृष्टि भारतीय मूल्यों के साथ वैश्विक नागरिकों का निर्माण करना है जो दुनिया में सकारात्मक बदलाव लाते हैं। विद्यालय 'खुशी बाँटना से बढ़ती है , कॉइन्स फॉर अ कॉज ,कचरे से खाद, मॉडल यूएन कॉन्फ्रेंस आदि जैसी परियोजनाओं के माध्यम से अपने उत्कृष्ट उद्देश्य को प्राप्त कर रहा है। विद्यालय में प्रत्येक दिन को अलग-अलग तरीके से मनाया जाता है, सभी में कृतज्ञता, क्षमा, स्वीकृति, प्रशंसा आदिके मूल्यों को विकसित करने के लिए इस प्रकार की गतिविधियाँ की जाती हैं ।प्रत्येक दिन तीन मिनट के लिए अल्पविराम का पालन किया जाता है । छात्रों के आंतरिक विवेक को उत्तेजित करने के लिए नैतिक-आधारित विषयों का विशेष अनुपालन किया जाता है।राष्ट्रीय त्योहार समाज में आर्थिक रूप से अस्वस्थ लोगों की सेवा करके मनाए जाते हैं। बडी जोड़े, प्राचार्या जी के साथ अल्पाहार , विद्यालय न्यायालय , चाय पर चर्चा रचनात्मकता प्रदर्शनी आदि जैसी अनूठी अवधारणाएं हर अभिभावकों में अपने बच्चों के प्रति सुरखित तथा प्रसन्नता की भावना शामिल करने के लिए प्रचलित हैं; और छात्रों को खुश औरसुरक्षित महसूस कराने के लिए भी । काइज़ेन सर्टिफिकेट लगातार प्रगति के लिए प्रदान किया जाता है। यह पुरस्कार और प्रशंसा से स्पष्ट दृष्टिगोचर होता है कि हमारा विद्यालय वास्तविक रूप में खुशहाल है ।विभिन्न संस्थानों के प्रमुखों द्वारा विद्यालय में कीगई यात्राओं से भी यही ज्ञात होता है।

इन सभी उपर्युक्त नवीन सामाजिक गतिविधियों के लिए, हमारे विद्यालय को'रेक्स कर्मवीर वैश्विक शिक्षा परिवर्तन चैंपियन पथप्रदर्शक विद्यालय पुरस्कार २०१९ 'प्राप्त हुआ।

हमारी बहुमुखीप्रतिभा की धनी सहज स्वभाव प्राचार्या डॉ जया पारेख जी को समाज के लिए सराहनीय अनुकरणीय कार्य के लिए ' रेक्स कर्मवीर वैश्विक शिक्षा परिवर्तन चैंपियन साथी २०१९ तथा कर्मवीर चक्र'से सम्मानित किया गया । तथा विद्यालय की जनसम्पर्क अधिकारी सुश्री शीतल पांचाल जी को सामाजिक समन्वयक के रूप में विद्यालय के प्रति उनके योगदान के लिए'रेक्स कर्मवीर वैश्विक शिक्षा परिवर्तन चैंपियनसाथी २०१९ तथा कर्मवीर चक्र'से सम्मानित किया गया ।यह पुरस्कार समारोह १५ अप्रैल, २०१९ को दिल्ली पब्लिक स्कूल गुरुग्राम में आयोजित किया गया था जोआई कोंगो और संयुक्त राष्ट्र का एक हिस्सा है।

ऐसे वैश्विक पुरस्कार प्राप्त होने से निश्चितौर पर विद्यालय का प्रत्येक व्यक्ति अपने आपको गौरवान्वित महसूस करता है। एक बार पुन: विद्यालय की प्राचार्या जी और शिक्षकों तथा छात्रों को हार्दिक बधाई। आशा करते है कि आप सभी ऐसे सम्मानों से विद्यालय को सर्वदा गौरवान्वित करते रहेंगे।

कर्मचारी - मनोरंजनात्मक पल

'सबसे ज़रूरी चीज है अपने जीवन का आनंद लेना खुश रहना बस यही मायने रखता है।'

ऑड्रे हेपबर्न

कर्मचारी किसी भी संस्थान की सबसे कीमती धरोहर होते है और संस्थान की सफलता का उसके कर्मचारियों की मेहनत से सीधा संबंध होता है। यह मेहनत अक्सर एक समूह के रूप में दिखती है ।किसी भी कर्मचारी के लिए उसकी नौकरी से मिलनेवाली संतुष्टि व उसकी सुरक्षा सबसे बड़ी चिंता होती है, इसलिए स्वयं को समूह का एक जरूरी सदस्य समझना और उपलब्धि प्राप्त करने से जुड़ा भाव इस संतुष्टि का अटूट अंग होता है। यह भाव किसी भी सदस्य को प्रेरणा देता है, जिसे देख उस संस्थान का समूचा विभाग नई उपलब्धियाँ प्राप्त क्र सकता है। इसी कारण वर्तमान समय में सभी संस्थान व्यक्ति, समूह और समूचे संस्थान के विकास के लिए 'संगठन-सशक्तिकरण कार्यक्रमों' को गंभीरता से लेती हैं।

'संगठन-सशक्तिकरण करने के उद्देश्य से राम रत्ना अंतर्राष्ट्रीय विद्यालय ने दिनांक २७ अप्रैल, सन २०१९को राम रत्ना अंतर्राष्ट्रीय विद्यालय के सभी सदस्यों हेतु मनोरंजनात्मक पर्यटन का आयोजन किया । सभी सदस्य सुबह ७.३० बजे दिनांक २७अप्रैल को गोल्डन नेस्ट के बस स्थानक पर एकत्रित हुए। शिक्षकों ने पर्यटन की शुरुआत गानों की बौछार और मौज मस्ती के साथ की। आगे इस यादगार और रोचक सफर में कई सदस्य जुड़ते गए। ९.३० बजे सभी लोग 'फरेरा फार्म हॉउस' (मनोरी) से कुछ दूर पहले ही उतर गए। वहाँ से पदयात्रा करते हुए चलचित्र में इन लम्हों को कैद करते हुए मनोरंजन के सफर का आगाज कर पर्यटन स्थल पर १० बजे पहुँचे।

पर्यटन की उत्सुकता और कौतूहलता सभी के मुखमंडल पर झलक रही थी । सभी को देखकर ऐसा लग रहा था जैसे सभी आज के दिन का बेसब्री से इंतजार कर रहे हो और अपने बचपन को एक बार फिर जी रहे हैं।

वहाँ सर्वप्रथम सभी ने स्वादिष्ट नाश्ते का लुत्फ उठाया । फार्म हाउस पर एक बड़ा एवं गहरा तरणताल था । साथ ही वर्षा नृत्य हेतु प्रबंध किया गया था । सुरम्य तथा उत्तेजक संगीत इस मनोरम स्थल को और भी रोचक बना रही थी। सभी लोग गुटों में बंट गए। कुछ लोग क्रिकेट खेल रहे थे, तो कुछ तरणताल में वर्षा नृत्य का आनंद ले रहे थे, तो कुछ संगीत का आनंद ले नृत्य में मग्न हो गए थे । पर्यटन की कौतूहलता में मध्याह्न भोजन के समय का किसी को भान न रहा। दोपहर १ बजे सभी ने स्वादिष्ट एवं आकर्षक छप्पन भोग का आनंद लिया। भोजन के साथ ग्रीष्म ऋतु के असर को कम करने के लिए ठंडी-ठंडी कुल्फी खाई।

अविस्मरणीय दिवस को और भी यादगार बनाने के लिए प्राचार्या महोदया 'डॉ. जया पारेख' जी ने विद्यालय के जिन सदस्यों का जन्मदिन मई में आता है उन्हें विद्यालय की ओर से शुभकामनाएँ दी । इस यादगार दिवस पर सौभाग्य वश 'सागरिका मैम' का जन्मदिवस मनाया गया । तत्पश्चात 'फ्रांसिस जी' ने बहुत ही विनोदी स्वरूप में चुटकुला सुनाया। स्वआत्मपरक ज्ञान लेने हेतु ३ मिनटों का मौन अल्प विराम लिया गया।

अंत में सभी सदस्यों ने इस अविस्मरणीय दिवस हेतु विद्यालय प्रबंधन तथा प्राचार्या महोदया का आभार मानते हुए ऐसे पर्यटन सतत आयोजित करने का आग्रह किया।

हम सभी के लिए सबसे यादगार यात्राओं में से यह एक अतुलनीय तथा मनोरंजक भ्रमण था। अपने बचपन को याद करते हुए सभी नेएक साथ आनंद उठाया और हमेशा के लिए मजबूत बंधन में बंध गए।

वर्षाकाल में आपका स्वास्थ्य

गर्मी के बाद जब बरसात शुरू होती है तब अपने साथ बहुत सारी बीमारियाँ भी लाती है। अगर आपकी रोग-प्रतिरोधक क्षमता कम होगी तो बारिश के रोग आप पर जल्दी हावी हो जायेंगे। संक्रमण, बुखार, सर्दी-खांसी, जुकाम और वायुरोग इस मौसम के सामान्य रोग हैं। इस मौसम में पाचनशक्ति कम हो जाती है इसलिए हल्का और सुपाच्य खाना खाना चाहिए। सावधानियाँ रखकर आने वाली परेशानियों से बचा जा सकता है।

- खाने में हल्दी, इलायची, सौंफ, दालचीनी का प्रयोग करें। इससे रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है।
- घर के आस-पास सफाई रखें और पानी एक जगह जमा न होने दें। प्रतिदिन व्यायाम और प्राणायाम से दिन की शुरुआत करें।
- विटामिन सी से भरूपर आंवले और नींबू का सेवन इस मौसम में अधिक से अधिक करना चाहिये। इससे रोगप्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है और वात रोगों मे भी आराम मिलता है।
- इस मौसम में पत्तेदार सब्जियों (जैसे पालक, बथुआ, मेथी, चौलाई) में कीटाणु उत्पन्न हो जाते है। अतः उनके सेवन से बचना चाहिए।
- दूषित पानी की वजह से बारिश के मौसम में हैजा, टायफाइड, डाइरिया आदि बीमारियाँ होती हैं। इसलिए दूषित पानी के सेवन से बचना चाहिये।
- इस ऋतु में ताजा छाछ में सेंधा नमक, जेका हुआ जीरा और पीसी काली मिर्च डालकर पीना अच्छा रहता है।
- पीन के पानी को कम से कम पाँच मिनट उबालकर ठंडा कर पीना के काम में लेना चाहिए।
- वर्षा ऋतु में चूंकि वात कुपित होता है अतः जठराग्नि कमजोर हो जाती है। अतः गरिष्ठ (भारी) व तली हुई वस्तुओं का सेवन करने से जितना हो सके बचें और सुपाच्य (आसानी से पचने वाले) पदार्थों का सेवन करें।
- चूंकि इस मौसम में मक्खी-मच्छरों का साम्राज्य होता है अतः अच्छा रहेगा कि आप सूर्यास्त होने से पहले ही भोजन कर लें। खाने योग्य पदार्थों को जालीदार ढक्कन से ढक कर रखना चाहिए। सूर्यास्त से पहले भोजन करना सदैव लाभदायक रहता है।
- बासी, अत्याधिक ठण्डे, डिब्बा बंद व खराब स्थिति में पहुँचे खाद्य पदार्थों का सेवन न करें।

केशवसृष्टि विविध गतिविधियां

K K Menon school Borivali,
Organized Seed ball workshop.
Participant 350 and seed ball 3500.

workshop at Gurunanak collage, TGB nagar.
Participates : 43 (MSc students)
Seed: Amaltas • Total seedballs: 983

Seed ball workshop at smt.Kapila khandvala college of education.
Around 50 students participate and 500 seed ball made

Participation in NGO expo by Keshavsrushti at World Trade Center, Mumbai showcasing Gram Vikas and My Green Society. 4-5 july 2019

RRIS Exclusive

Postal Registration No. THW/06/2017-2019

RNI No. 72232 / 99

यह पत्रिका मुद्रक एवं प्रकाशक सुरेश भगेरिया द्वारा केशवसृष्टि के लिए यूनिटी आर्ट ऑफसेट, ३०२, वडाला उद्योग भवन, वडाला, मुंबई – ४०० ०३१ से मुद्रित और केशवसृष्टि, उत्तन, भायंदर, जि. ठाणे से प्रकाशित हुई है. – संपादक : **सुदर्शन शर्मा**